N –321

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र –जनवरी–दिसंबर 2026

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) पूर्व

विषय . आदि एवं मध्यकालीन काव्य **प्रश्नपत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः. परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य.1

खण्ड अ . अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1.2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब . अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य.2

खण्ड स . लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य.3

खण्ड द . अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य.4

खण्ड ई . दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600.750 या 4.5 पेज।

सत्रीय कार्य–1

खण्ड—अ

1. अवहट्ठ में विद्यापति की कोई दो रचनाएँ लिखिए, जो महत्वपूर्ण और बहुचखचत हैं।
2. बौद्ध साहित्य में कृष्ण का उल्लेख कहाँ पर किया गया है ?
3. कबीर की भक्ति साधना में भगवत प्रेम के कौन–से दो आदर्श हैं ?
4. भूषण के अलंकार ग्रन्थ का नाम क्या है ?
5. अपनी नवोढ़ा रानी के प्रेमपाश में आबद्ध जयपुर के राजा का नाम क्या था ?
6. घनानन्द किस बादशाह के मीर मुंशी थे ?
7. मीरा का विवाह कब और किसके साथ हुआ ?
8. 'मेरो मन अनत कहाँ सुख पावे' किस कवि की पंक्तियाँ हैं ?

खण्ड–ब

9. विद्यापति कृत 'कीर्तिपताका' में किस राजा के प्रेम–प्रसंग को आधार बनाया है ?
10. जायसी के अनुभूति पक्ष को संक्षिप्त में लिखिए।

11. रीतिमुक्त काव्यधारा में घनानन्द का स्थान निर्धारित कीजिए।
12. बिहारी के ज्योतिष ज्ञान पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
13. मीरा के काव्य का अनुभूति पक्ष स्पष्ट कीजिए।
14. कबीर के माधुर्य भाव को समझाइए।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड–स

15. 'पृथ्वीराज रासो' की प्रामाणिकता पर विभिन्न विद्वानों के विचारों को स्पष्ट कीजिए।
16. गीत परम्परा में विद्यापति का स्थान निर्धारित कीजिए।
17. तुलसी के संस्कार वर्णन पर कवि के विचारों को लिखिए।
18. सूरदास के भ्रमरगीत की विशिष्टता क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड–द

19. पद्माकर के काव्य का अभिव्यंजना पक्ष स्पष्ट कीजिए।
20. भूषण के काव्य में वीर रस का सुन्दर परिणाम हुआ है। स्पष्ट कीजिए।
21. जायसी के रहस्यवाद को स्पष्ट कीजिए।
22. 'विद्यापति के डुष्ण अपूर्ण सौदर्न्य से अभिमण्डित हैं' स्पष्ट कीजिए।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड–इ

23. कबीर की भक्ति और साधना पर प्रकाश डालिए।
24. 'तुलसी का काव्य समन्वय की साधना है' स्पष्ट कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2026 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2026 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

N –322

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र –जनवरी–दिसंबर 2026

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) पूर्व

विषय . आधुनिक काव्य **प्रश्नपत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः. परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य.1

खण्ड अ . अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1.2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब . अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य.2

खण्ड स . लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य.3

खण्ड द . अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य.4

खण्ड ई . दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600.750 या 4.5 पेज।

सत्रीय कार्य–1

खण्ड—अ

1. 'अनामिका' किस कृति का प्रथम काव्य–संग्रह है ?
2. 'परशुराम की प्रतीक्षा' का रचनाकाल ..... है।
3. 'मधुशाला' किसकी कृति है ?
4. नरेन्द्र शर्मा के किस काव्य–संग्रह में प्रकृति की कविताओं को सर्वाधिक स्थान प्राप्त हुआ है ?
5. 'बादल को घिरते देखा है' के रचनाकार कौन हैं ?
6. अज्ञेय किस काव्यधारा के प्रवर्तक हैं ?
7. रघुवीर सहायक अज्ञेय द्वारा सम्पादित किस सप्तक के कवि थे ?
8. नागार्जुन का सम्बन्ध हिन्दी की किस विचारधारा से था ?

खण्ड–ब

9. जयशंकर प्रसाद की काव्यकृतियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
10. हरिवंशराय बच्चन का जीवन–परिचय लिखिए।
11. दुष्यन्त कुमार के काव्य में आम आदमी का दर्द किस प्रकार दर्शाया गया है ?
12. रघुवीर सहाय के काव्य में बिम्ब का महत्व स्पष्ट कीजिए।
13. असाध्य वीणा से आप क्या समझते हैं ?
14. नरेन्द्र शर्मा के जीवन–परिचय पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड–स

15. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।
16. "नागार्जुन का शिल्प, सहज, सरल और जनसामान्य के निकट है।" इस कथन पर अपना मत प्रस्तुत कीजिए।
17. 'भूमि का उर तृप्त करता चंद्र शीतल,
    व्योम की छाती जुड़ाती रश्मि कोमल,
    किन्तु भारती भाग्नाएँ दाह मन में,
    चाँदनी फैली गगन में, चाह मन में।
    उपर्युक्त पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
18. दुष्यन्त कुमार के काव्य में प्रयुक्त भाषाशैली की प्रमुख विशेषताओं को उदाहरण सहित समझाइए।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड–द

19. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य के भावपक्ष एवं कलापक्ष पर प्रकाश डालिए।
20. महादेवी वर्मा के काव्य के अनुभूति पक्ष की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
21. विभिन्न काव्यधाराओं के संदर्भ में पंत के काव्य का मूल्यांकन कीजिए।
22. रघुवीर सहाय के काव्य की अन्तर्वस्तु और शिल्प की विवेचना कीजिए।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड–इ

23. "निराला का काव्य छन्द प्रयोग की दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।
24. "बच्चन का काव्य उनके भीतरी मन में बैठे हुए का हृदयोद्‌गार है।" इस कथन की पुष्टि कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

5. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
6. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
7. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2026 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2026 जैसा ही रहेगा।**
8. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

L–323

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र –जनवरी–दिसंबर 2026

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) पूर्व

विषय . हिन्दी साहित्य का इतिहास **प्रश्नपत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः. परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य.1

खण्ड अ . अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1.2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब . अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य.2

खण्ड स . लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य.3

खण्ड द . अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य.4

खण्ड ई . दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600.750 या 4.5 पेज।

सत्रीय कार्य–1

खण्ड—अ

1. हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन का प्रथम प्रयास किस फ्रांसीसी विद्वान ने किया ?
2. चारणकाल का समय क्या है ?
3. वात्सल्य सम्राट किस कवि को पुकारा गया है ?
4. छायावादी शिखर रचना महाकाव्य का नाम क्या है ?
5. किन्हीं दो प्रगतिशील कवियों के नाम लिखिए।
6. हिन्दी के पहले उपन्यास का नाम लिखिए।
7. नरपति नाल्ह किस काल के कवि हैं ?
8. गोबर किस उपन्यासकार की रचना का पात्र है ?

खण्ड–ब

9. रासो काव्य परम्परा की प्रमुख रचना एवं उनके रचनाकारों का नाम लिखिए।
10. रामभक्ति काव्य के प्रमुख साहित्य व साहित्यकार का वर्णन कीजिए।

11. द्विवेदीयुगीन काव्य की विशेषताएँ बताइए।
12. रीतिमुक्त कविता से क्या अभिप्राय है ?
13. प्रगतिवादी कविता की विशेषताएँ लिखिए।
14. प्रमुख हिन्दी नाटककारों के नाम व उनके नाटकों के नाम लिखिए।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड–स

15. हिन्दी आलोचना के उद्‌भव व विकास पर प्रकाश डालिए।
16. भारतेन्दुयुगीन काव्य की विशेषताएँ लिखिए।
17. निर्गुण भक्तिकाल के प्रमुख कवि और उनकी कविताएँ कौन–कौन सी हैं ?
18. हिन्दी साहित्य के इतिहासलेखन में पुनर्लेखन की आवश्यकता क्यों है ?

सत्रीय कार्य–3

खण्ड–द

19. द्विवेदीयुगीन प्रमुख साहित्यकारों का रचना सहित परिचय दीजिए।
20. सगुण भक्ति की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।
21. छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ क्या हैं ?
22. हिन्दी साहित्य के इतिहास में गद्य लेखन किस काल में अधिक हुआ ? वर्णन कीजिए।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड–इ

23. प्रयोगवादी साहित्यिक प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए।
24. हिन्दी साहित्य के इतिहास कालविभाजन में नामकरण की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2026 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2025 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

L–324

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र –जनवरी–दिसंबर 2026

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) पूर्व

विषय . काव्यशास्त्र एवं समालोचना **प्रश्नपत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः. परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य.1

खण्ड अ . अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1.2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब . अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य.2

खण्ड स . लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य.3

खण्ड द . अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य.4

खण्ड ई . दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600.750 या 4.5 पेज।

सत्रीय कार्य–1

खण्ड—अ

1. 'ध्वनिरात्मा काव्यस्य' किसने कहा ?
2. अभिव्यक्तिवाद के प्रतिष्ठाता कौन हैं ?
3. शब्दालंकार का प्रधान पक्ष क्या है ?
4. आचार्य मम्मट ने ध्वनि के कितने भेद बताए हैं ?
5. 'वक्रोक्ति जीवतम्' किसकी रचना है ?
6. यूनानी शब्द 'मीमेसिस' (Mimesis) का हिन्दी पर्याय क्या पहै ?
7. भारतीय आचार्यों के काव्यहेतु तीन माने गये हैं, तीनों के नाम लिखिए।
8. प्लेटो का वास्तविक नाम लिखिए।

खण्ड–ब

9. आलंबन विभाव क्या है ? उदाहरण दीजिए।
10. श्लेष अलंकार उदाहरण सहित समझाइए।

11. वाक्य वक्रता क्या है ?
12. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने काव्य किसे कहा है ?
13. युंग के अनुसार चार मानसिक शक्तियाँ कौन–कौन सी हैं ?
14. आचार्य कुंतक ने वक्रोक्ति के कितने भेद माने हैं ? उनके नाम लिखिए।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड–स

15. आचार्य विश्वनाथ ने साधारणीकरण किसे कहा है ? समझाइए।
16. अतिश्योक्ति अलंकार को सोदाहरण समझाइए।
17. "प्लेटो के अनुसार काव्य एक कला है।" समझाइए।
18. व्यवहारिक आलोचना क्या है ? लिखिए।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड–द

19. टी. एस. इलियट का निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त क्या है ?
20. आचार्य आनन्दवर्धन ने ध्वनि की क्या व्याख्या की है ? लिखिए।
21. उदात्त सिद्धान्त क्या है ? समझाइए।
22. रीति क्या है ? सभेद समझाइए।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड–इ

23. रस सिद्धान्त को स्पष्ट करते हुए रसनिष्पत्ति को स्पष्ट कीजिए।
24. भारतीय विद्वानों के काव्यहेतु सम्बन्धी विचारों को काव्य के आलोक में स्पष्ट कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 31 अगस्त 2026 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जनवरी–दिसंबर 2026 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जनवरी–दिसंबर 2026 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**